INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: IX	Department: Hindi	Date-31.08.25
Question Bank	Topic: **गीत-अगीत (रामधारी सिंह दिनकर)**	Note: Pl. file in portfolio

(क)निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

1. नदी का किनारों से कुछ कहते हुए बह जाने पर गुलाब क्या सोच रहा है?

उत्तर-नदी का किनारों से कुछ कहते हुए जाने पर गुलाब मन-ही-मन सोचता है कि अगर ईश्वर ने उसको स्वर दिए होते तो वह भी अपने पतझड़ के सपनों के बारे में जग को गीत सुनाता ।

2. जब शुक गाता है, तो शुकी के हृदय पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर: - जब शुक अपनी खुशी को प्रदर्शित करने के लिए गीत गाता है तो उसका स्वर पूरे वन में गूँज उठता है। शुकी का मन भी उस समय गाने के लिए करता है परंतु वह अपने वात्सल्य के कारण मौन रह जाती है। शुकी के पंख खुशी से फूल उठते हैं और वह इस मौन में भी अत्यधिक प्रसन्न हो उठती है।

3. प्रेमी जब गीत गाता है, तब प्रेमिका की क्या इच्छा होती है?

उत्तर:- प्रेमी जब साँझ के समय गीत गाता है तब उसकी प्रेमिका उसके गीत को सुनने के लिए घर से निकलकर उपवन पहुँचती है और नीम के पेड़ के पीछे छिपकर अपने प्रेमी का मधुर गीत सुनने लगती है। उस समय प्रेमिका की इच्छा होती है कि काश वह भी इस गीत की पंक्ति बन जाती।

4. प्रथम छंद में वर्णित प्रकृति-चित्रण को लिखिए।

उत्तर:- प्रथम छंद में कवि ने प्रकृति का सजीव चित्रण किया है। प्रथम छंद में नदी अपने वेग से मानो किनारों से अपने दुःख को अभिव्यक्त करते हुए बहती जा रही है और वहीं तट पर खड़ा गुलाब मौन खड़ा है।

5. प्रकृति के साथ पशु-पक्षियों के संबंध की व्याख्या कीजिए।

उत्तर:- प्रकृति के साथ पशु-पक्षियों का बड़ा गहरा संबंध है। पशु-पक्षी अपने भोजन और आवास के लिए प्रकृति पर ही निर्भर रहते हैं, प्रकृति पर उनका जीवन निर्भर है। उनके सारे क्रिया-कलाप प्रकृति से ही जुड़े हुए होते हैं। प्रकृति की सुंदरता पशु-पक्षियों को भी गाने, गुनगुनाने और चहचहाने के लिए प्रेरित कर देती है। इसी प्रकृति के साथ पशु-पक्षी आपसी संबंध को आगे ले जाते हुए एक दूसरे के प्रेम में खो जाते हैं।

6. मनुष्य को प्रकृति किस रूप में आंदोलित करती है? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर:- मनुष्य को प्रकृति अनेक रूपों में आंदोलित करती है। प्रकृति का मोहक रूप उसे गाने के लिए विवश कर देता है। शाम के मोहक पल प्रेमी को प्रेम-गीत गाने के लिए मजबूर कर देते हैं तो प्रेमिका को उसके घर से बाहर निकलने के लिए।

7. सभी कुछ गीत, अगीत कुछ नहीं होता। कुछ अगीत भी होता है क्या? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:- गीत-अगीत का संबंध मन में उठनेवाले भावों से होता है। जब मन के उमड़नेवाले भावों को स्वर मिल जाते है तो वह गीत बन जाता है और जब भावनाओं को स्वर नहीं मिल पाते वह अगीत कहलाता है। अगीत को भले ही अभिव्यक्ति का अवसर न मिले परन्तु उसके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता है। अभिव्यक्त न होते हुए भी वह अपने-आप में पूर्ण है इसलिए कवि ने कहा है कि कुछ अगीत भी होता है।

8. 'गीत-अगीत' के केन्द्रीय भाव को लिखिए।

उत्तर: - प्रस्तुत कविता का केंद्रीय भाव यह है कि अभिव्यक्त न होनेवाले अगीत का भी अपना ही अलग महत्त्व है। अपने मन के भावों को मन ही मन व्यक्त करना भी कम सुंदर नहीं होता है। भले ही हम उसे सुन नहीं पाते परंतु उसे अनुभव तो कर ही सकते हैं। अत: मुखरित होनेवाला गीत और अमुखरित होनेवाला अगीत दोनों ही सुन्दर है।

(ख) संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए -

1. अपने पतझर के सपनों का
मैं भी जग को गीत सुनाता

उत्तर:- संदर्भ - प्रस्तुत काव्य पंक्तियाँ पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग - 1 में संकलित कविता 'गीत-अगीत' से ली गई हैं। इसके कवि रामधारी सिंह दिनकर है।

व्याख्या - नदी के तट पर खड़ा गुलाब सोचता है कि यदि विधाता उसे भी स्वर देते तो वह भी अपने पतझर की व्यथा सुनाता।

2. गाता शुक जब किरण वसंती
छूती अंग पर्ण से छनकर

उत्तर:- संदर्भ - प्रस्तुत काव्य पंक्तियाँ पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग - 1 में संकलित कविता 'गीत-अगीत' से ली गई हैं। इसके कवि रामधारी सिंह दिनकर है।

व्याख्या - जब सूरज की वासंती किरणें पत्तों से छनकर आती है और शुक के अंगों को छूती है तो वह प्रसन्न होकर गा उठता है।

3. हुई न क्यों मैं कड़ी गीत की
बिधना यों मन में गुनती है

उत्तर:- संदर्भ - प्रस्तुत काव्य पंक्तियाँ पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग - 1 में संकलित कविता 'गीत-अगीत' से ली गई हैं। इसके कवि रामधारी सिंह दिनकर है।

व्याख्या - यहाँ पर जब प्रेमिका अपने प्रेमी के गीत को छिपकर सुनती है तो वह विधाता से यही कहती है कि काश वह भी इस गीत की कड़ी बन पाती।